Part - 'B' - Ch - 1

classmate
Date ______
Page ______

Long Answers

1) कांग्रेस पार्टी के उदय व पतन के मुख्य कारण क्या थे?

Ans → 1947 से 1967 तक कांग्रेस पार्टी के प्रमुख का दौर चलता रहा। इसके कई कारण थे — जैसे —

(1) कांग्रेस पार्टी ही देश की सबसे बड़ी व देशव्यापी पार्टी थी।

(2) कांग्रेस पार्टी को पंडित नेहरू जैसे प्रभावशाली नेता का नेतृत्व प्राप्त था।

(3) विपक्षी दल अत्यंत दुर्बल थे।

लेकिन 1967 के चुनावों के बाद कांग्रेस का पतन शुरू हुआ। इसके कई कारण थे — जैसे — (1) पंडित नेहरू की मृत्यु कांग्रेस के पतन का पहला कारण बना। अब कांग्रेस पार्टी के पास नेहरू जैसा प्रभावशाली नेता नहीं था। (2) अनेक प्रांतीय नेताओं ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर अपनी अलग पार्टियां बना ली। (3) क्षेत्रीय स्तरों पर विपक्षी पार्टियों ने अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी।

Scanned by CamScanner

Q2. क्षेत्रीय पार्टियों से आप क्या समझते हैं?

Ans → भारत में कई प्रमुख राष्ट्रीय दल हैं। लेकिन समय के परिवर्तन के साथ ही यहाँ पर क्षेत्रीय दलों का गठन भी होने लगा। आजकल क्षेत्रीय दलों का महत्व भी भारतीय राजनीति में बढ़ गया है। क्षेत्रीय दल वैसे दलों को कहा जाता है। जिनका गठन क्षेत्र विशेष यानी राज्य विशेष के अंदर स्थापित किया जाता है। ये दल अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए गठित किया जाता है क्षेत्रीय स्तर पर इन दलों का महत्व अधिक होता है। उनका स्पष्ट कार्यक्रम अपने विशेष क्षेत्र या सम्प्रदाय के हितों की रक्षा करना है जैसे - असोम में असम गणपरिषद, नागालैण्ड में नागा राष्ट्रीय परिषद, मिजोरम में मिजो राष्ट्रीय मोर्चा, दार्जिलिंग में गोरखा लीग, झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा आदि।

Q3. दल-बदल से से आप क्या समझते हो?

Ans → यदि कोई विधायक या सांसद अपने दल अथवा निर्दलीय मंच का परित्याग कर किसी अन्य दल में जा मिलता है या नया दल बना लेता है, अथवा निर्दलीय स्थिति

classmate
Date
Page

☆ अपना नेता है या अपने दल की सदस्यता त्यागे बिना ही बुनियादी मामलों पर सदन में उसके विरुद्ध मतदान करता है तो यह दल-बदल कहलाता है।

Q 4) एक दलीय व्यवस्था का अर्थ स्पष्ट करें?

Ans → यदि किसी देश में केवल एक ही दल हो तथा शासन-शक्ति का प्रयोग करने वाले सभी सदस्य इस एक ही राजनीतिक दल के सदस्य हो, तो वहाँ की दल पद्धति को एक दलीय व्यवस्था कहा जाता है। इसका आधार यह है कि समस्त राजनीतिक अभिजात वर्ग ने अपने नेता को राज्य की प्रभुसत्ता सौंप दी है।

Q 5) 'जनमत की कमजोरी के कारण एक पार्टी का प्रभुत्व कायम हुआ' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

Ans → स्वतंत्रता के पश्चात के वर्षों में हमने अपने देश में एक पार्टी प्रभुत्व को देखा। एक पार्टी के प्रभुत्व के कई कारण थे जिनमें प्रमुख कारण तत्कालीन समाज में जनमत की कमजोरी भी था जनमत की कमजोरी ने एक पार्टी ~~प्रभुत्व~~ प्रभुत्व की स्थापना में योगदान दिया जिसे हम निम्न प्रकार से स्पष्ट कर सकते हैं —

Scanned by CamScanner

(1) नव स्वतंत्र भारत में जनमत निर्माण के आधुनिक साधनों की संख्या बहुत कम थी अतः लोगों में से अधिकांश ने एक पार्टी को वोट दिये।

(2) भारत में लोकतंत्र अभी प्रारंभिक अवस्था में था तथा लोगों को कांग्रेस पार्टी से बहुत अधिक आशाएँ थी। इस कारण उनका झुकाव एक-दलीय प्रभुत्व की ओर था।

(3) भारत में सशक्त विपक्षी दल नहीं थे जिनका जनमत निर्माण में प्रमुख योगदान होता है।

(4) भारतीय जनता का बहुत बड़ा हिस्सा निरक्षर था जो अपनी लोकतंत्र की यात्रा शुरू कर रहा था तथा भारत में जनमत की शक्ति उभार के काल में थी।

इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि भारत में जनमत कमजोर था। अतः देश में एक पार्टी प्रभुत्व के कायम होने में जनमत की कमजोरी एक महत्वपूर्ण कारण भी।

Scanned by CamScanner